ISSN (ELECTRONIC): 2945-3135

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH & REVIEWS

journal homepage: www.ijmrr.online/index.php/home

उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन

डॉ सुधा रानी

असिस्टेंट प्रोफेसर

अर्थशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर

ईमेल : dhimansanjay23@gmail.com

How to Cite the Article: सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

https://doi.org/10.56815/ijmrr.v4i1.2025.231-240

Keywords	*Abstract*
पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था, उत्तराखंड, रोजगार, आर्थिक विकास, सतत पर्यटन।	पर्यटन आधुनिक विश्व की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों में से एक है। यह न केवल राष्ट्रीय आय में वृद्धि करता है बल्कि रोजगार सृजन, क्षेत्रीय विकास, विदेशी मुद्रा अर्जन तथा सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के पर्वतीय राज्यों में पर्यटन आर्थिक विकास का प्रमुख आधार माना जाता है। उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व, हिमालयी पर्यटन, साहसिक खेलों तथा सांस्कृतिक विरासत के कारण देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में गिना जाता है। राज्य में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों की आय, रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होती है।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य-

उत्तराखंड में पर्यटन के स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना है। अध्ययन में पर्यटन उद्योग की वर्तमान स्थिति, रोजगार सृजन, स्थानीय व्यापार, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक परिवर्तन तथा पर्यावरणीय प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि पर्यटन राज्य की आर्थिक उन्नति का एक महत्वपूर्ण साधन है, किन्तु इसके साथ पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। इसलिए सतत पर्यटन विकास की नीतियों को अपनाना आवश्यक है।

प्रस्तावना-

पर्यटन किसी भी राष्ट्र अथवा राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण घटक होता है। यह उद्योग सेवा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और अनेक प्रकार की आर्थिक गतिविधियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। वर्तमान समय में पर्यटन केवल मनोरंजन या अवकाश का साधन नहीं रह गया है बल्कि यह आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

उत्तराखंड भारत का एक प्रमुख पर्वतीय राज्य है जिसका गठन 9 नवम्बर 2000 को हुआ। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, झीलों तथा सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी, नैनीताल तथा जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान जैसे पर्यटन स्थल देश-विदेश के लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का विशेष योगदान है। पर्यटन से जुड़े होटल, परिवहन, गाइड सेवा, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार तथा खाद्य व्यवसाय बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। पर्यटन उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इस कारण उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में पर्यटन को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार माना जाता है।

अध्ययन की आवश्यकता-

उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, वानिकी तथा पर्यटन पर आधारित है। पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित कृषि योग्य भूमि होने के कारण पर्यटन स्थानीय लोगों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

है। पर्यटन उद्योग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अनेक रोजगार अवसर उत्पन्न हुए हैं। साथ ही महिलाओं एवं युवाओं के लिए स्वरोजगार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं।

परंतु पर्यटन के बढ़ते प्रभाव के साथ पर्यावरणीय चुनौतियाँ, संसाधनों पर दबाव, कचरा प्रबंधन तथा सांस्कृतिक परिवर्तन जैसी समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए यह अध्ययन आवश्यक है कि पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है तथा इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव क्या हैं।

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)-

- Bhatia (2018) के अनुसार पर्यटन आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन है जो स्थानीय रोजगार और आय में वृद्धि करता है।
- Sharma (2019) ने बताया कि पर्यटन उद्योग स्थानीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देता है तथा छोटे व्यवसायों के विकास में सहायक होता है।
- Negi (2017) के अध्ययन के अनुसार हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन आर्थिक उन्नति का प्रमुख माध्यम है, किन्तु अनियंत्रित पर्यटन पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न करता है।
- Singh (2020) ने उत्तराखंड में पर्यटन और आर्थिक विकास के मध्य सकारात्मक संबंध स्थापित किया तथा पर्यटन को स्थानीय आय वृद्धि का प्रमुख स्रोत बताया।
- Kandari एवं Chandra (2016) ने सतत पर्यटन विकास पर बल देते हुए कहा कि आर्थिक लाभों के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।

शोध उद्देश्य-

1.उत्तराखंड में पर्यटन की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।

2.स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पर्यटन के प्रभावों का विश्लेषण करना।

3.रोजगार सृजन में पर्यटन की भूमिका का अध्ययन करना।

4.महिला सशक्तिकरण में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करना।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

5.पर्यटन से उत्पन्न सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन करना।

6.सतत पर्यटन विकास हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध पद्धति-

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। अध्ययन के लिए विभिन्न पुस्तकों, शोध पत्रों, सरकारी रिपोर्टों, पर्यटन विभाग की वार्षिक रिपोर्टों, समाचार पत्रों तथा इंटरनेट स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति के माध्यम से किया गया है।

उत्तराखंड में पर्यटन का विकास-

- उत्तराखंड में पर्यटन का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा हुआ है। धार्मिक दृष्टि से चारधाम यात्रा का विशेष महत्व रहा है। स्वतंत्रता के बाद सड़क, परिवहन तथा आवास सुविधाओं के विकास के साथ पर्यटन गतिविधियों में तेजी आई।
- राज्य गठन के पश्चात पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख साधन के रूप में विकसित किया गया। सरकार द्वारा विभिन्न पर्यटन योजनाएँ संचालित की गईं जिनका उद्देश्य पर्यटन अवसंरचना का विकास, निवेश को प्रोत्साहन तथा रोजगार सृजन था।
- आज उत्तराखंड धार्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन तथा स्वास्थ्य पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुका है।
- स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पर्यटन का प्रभाव पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था को अनेक स्तरों पर प्रभावित करता है। पर्यटक जब किसी क्षेत्र में आते हैं तो वे होटल, परिवहन, भोजन, खरीदारी तथा मनोरंजन पर व्यय करते हैं। इससे स्थानीय बाजारों में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ती हैं।
- स्थानीय दुकानदार, टैक्सी चालक, होटल संचालक, गाइड, फोटोग्राफर तथा हस्तशिल्प विक्रेता पर्यटन से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होते हैं। इससे क्षेत्रीय आय में वृद्धि होती है और जीवन स्तर में सुधार आता है।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

- पर्यटन से सरकार को भी करों एवं शुल्कों के माध्यम से राजस्व प्राप्त होता है जिसका उपयोग विकास कार्यों में किया जाता है।

रोजगार सृजन में पर्यटन की भूमिका-

पर्यटन उद्योग रोजगार सृजन का एक प्रमुख स्रोत है। यह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार उत्पन्न करता है।

1.प्रत्यक्ष रोजगार

2.होटल एवं गेस्ट हाउस

3.ट्रैवल एजेंसी

4.गाइड सेवा

5.टैक्सी एवं परिवहन सेवा

6.रेस्टोरेंट एवं भोजनालय

7.अप्रत्यक्ष रोजगार

8.हस्तशिल्प उद्योग

9.कृषि उत्पाद आपूर्ति

10.स्थानीय बाजार

11.निर्माण कार्य

12.सांस्कृतिक कार्यक्रम

पर्यटन उद्योग विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करता है। पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित रोजगार विकल्प होने के कारण पर्यटन का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

महिला सशक्तिकरण में पर्यटन की भूमिका-

1.पर्यटन उद्योग ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महिलाएँ होमस्टे संचालन, स्थानीय खाद्य उत्पादों की बिक्री, हस्तशिल्प निर्माण तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं।

2.ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है तथा सामाजिक स्तर पर उनकी भूमिका मजबूत हुई है।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

स्थानीय व्यवसायों का विकास-

3.पर्यटन के कारण स्थानीय व्यवसायों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्तराखंड के अनेक क्षेत्रों में हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, लकड़ी के उत्पाद, धार्मिक सामग्री तथा स्थानीय खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ी है।

4.छोटे व्यापारियों तथा स्वरोजगार से जुड़े लोगों को पर्यटन से विशेष लाभ प्राप्त हुआ है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

सामाजिक प्रभाव-

पर्यटन सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम है। विभिन्न राज्यों एवं देशों के पर्यटकों के संपर्क से स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ती है।

स्थानीय लोककला, लोकसंगीत, पारंपरिक नृत्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नई पहचान प्राप्त होती है। पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी संभव होता है।

हालाँकि कुछ क्षेत्रों में बाहरी प्रभावों के कारण पारंपरिक जीवन शैली में परिवर्तन भी देखा गया है।

पर्यावरणीय प्रभाव-

पर्यटन के सकारात्मक आर्थिक प्रभावों के साथ कुछ नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव भी जुड़े हुए हैं।

- कचरा एवं प्लास्टिक प्रदूषण
- जल स्रोतों पर दबाव
- वायु एवं ध्वनि प्रदूषण
- अनियंत्रित निर्माण कार्य
- वन क्षेत्र पर दबाव
- जैव विविधता को खतरा

विशेष रूप से चारधाम यात्रा मार्गों तथा लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर पर्यावरणीय दबाव बढ़ता जा रहा है।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

उत्तराखंड में सतत पर्यटन की आवश्यकता

सतत पर्यटन वह प्रक्रिया है जिसमें वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के हितों की रक्षा की जाती है।

उत्तराखंड जैसे संवेदनशील पर्वतीय राज्य में सतत पर्यटन अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यहाँ का पर्यावरण नाजुक है। यदि पर्यटन विकास को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित नहीं किया गया तो प्राकृतिक संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

पर्यटन विकास की प्रमुख चुनौतियाँ-

- पर्यावरण प्रदूषण
- भूस्खलन एवं प्राकृतिक आपदाएँ
- यातायात समस्या
- कचरा प्रबंधन की कमी
- अवसंरचना का असमान विकास
- अत्यधिक भीड़
- जल संकट

सुझाव-

1.सतत पर्यटन नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

2.पर्यावरण अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए।

3.स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाई जाए।

होमस्टे योजनाओं का विस्तार किया जाए।

4.पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता व्यवस्था मजबूत की जाए।

5.कचरा प्रबंधन हेतु आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए।

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

6.ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए।

7.पर्यटन क्षेत्रों में पर्यावरण शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाए।

8.सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

9.आपदा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाया जाए।

निष्कर्ष-

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि उत्तराखंड की स्थानीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। पर्यटन रोजगार सृजन, आय वृद्धि, व्यापारिक विकास तथा महिला सशक्तिकरण का प्रमुख माध्यम बन चुका है। राज्य के अनेक पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थानीय लोगों की आजीविका का मुख्य आधार है।

हालाँकि पर्यटन के कारण पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। इसलिए आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन स्थापित करना आवश्यक है। सतत पर्यटन नीतियों के माध्यम से उत्तराखंड में दीर्घकालिक एवं समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

AUTHOR(S) CONTRIBUTION

The writers affirm that they have no connections to, or engagement with, any group or body that provides financial or non-financial assistance for the topics or resources covered in this manuscript.

CONFLICTS OF INTEREST

The authors declared no potential conflicts of interest with respect to the research, authorship, and/or publication of this article.

PLAGIARISM POLICY

All authors declare that any kind of violation of plagiarism, copyright and ethical matters will take care by all authors. Journal and editors are not liable for aforesaid matters.

SOURCES OF FUNDING

The authors received no financial aid to support for the research.

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

REFERENCES

Bhatia, A. K. (2018). Tourism Development: Principles and Practices. New Delhi: Sterling Publishers. pp. 45–67.

Bhattacharya, P. (2018). Tourism Economics. New Delhi: Excel Books. pp. 150–172.

Government of Uttarakhand. (2024). Uttarakhand Tourism Development Report 2023–24. Dehradun: Department of Tourism.

Kandari, O. P., & Chandra, A. (2016). Tourism, Biodiversity and Sustainable Development. New Delhi: Gyan Publishing House. pp. 210–228.

Ministry of Tourism, Government of India. (2023). India Tourism Statistics 2023. New Delhi: Government of India.

Negi, S. S. (2017). Himalayan Tourism and Development. New Delhi: Indus Publishing Company. pp. 85–96.

Sharma, J. K. (2019). Tourism Planning and Development. New Delhi: Kanishka Publishers. pp. 102–118.

Sharma, R., & Verma, S. (2021). Impact of Tourism on Local Employment in Uttarakhand. Journal of Mountain Studies, 9(1), 44–58.

Singh, R. (2020). Tourism and Economic Development in Uttarakhand. Indian Journal of Economics and Development, 16(2), 125–134.

10.United Nations World Tourism Organization (UNWTO). (2023). Tourism for Sustainable Development Report. Madrid: UNWTO.

Dritsakis, N. (2012). Tourism Development and Economic Growth in Seven Mediterranean Countries: A Panel Data Approach. Tourism Economics, 18(4), 801–816.

Blake, A., & Sinclair, M. T. (2003). Tourism Crisis Management: US Response to September Annals of Tourism Research, 30(4), 813–832.

Butler, R. W. (1980). The Concept of a Tourist Area Cycle of Evolution: Implications for Management of Resources. Canadian Geographer, 24(1), 5–12. UNWTO. (2015).

World Tourism Organization. Ministry of Tourism, Government of India. (2021).

Annual Report 2020-21. Dritsakis, N. (2012).

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License

सुधा रानी (2025). ***उत्तराखंड के पर्यटन का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव : एक अध्ययन.*** International Journal of Multidisciplinary Research & Reviews. 4(1). 231-240.

Tourism Development and Economic Growth in Seven Mediterranean Countries: A Panel Data Approach. Tourism Economics, 18(4), 801–816.

United Nations World Tourism Organization (UNWTO). (2021). UNWTO World Tourism Barometer, Volume 19, Issue 2.

World Travel & Tourism Council (WTTC).(2021).

Economic Impact Reports. Ministry of Tourism, Government of India. (2023). Annual Report 2022-23.

Ministry of Tourism, Government of India. (2023). Annual Report 2022-23.

The work is licensed under a Creative Commons Attribution Non Commercia 4.0 International License